सीएम ने क्रांति को किया सम्मानित

01 करोड़ रुपए का चेक और प्रशस्ति-पत्र किया प्रदान | 150 वीं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर गौरव दिवस आयोजित

प्रदेश को गौरवान्वित करने वाली जनजातीय प्रतिभाओं का सम्मान

जबलपुर,15 नवम्बर. भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड सदर में आयोजित राज्यस्तरीय जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय समुदाय की उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान किया. कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले युवा, कलाकार, खिलाड़ी, समाजसेवी और सिकल सेल एनीमिया पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले चिकित्सक शामिल रहे.

कार्यक्रम की मुख्य आकर्षण रहीं छतरपुर जिले की होनहार महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़, जिन्होंने हाल ही में सम्पन्न आईसीसी महिला क्रिकेट विश्वकप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. मुख्यमंत्री ने उन्हें 1 करोड़ रुपए का चेक और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया. उनके सम्मान पर कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा.

इसके साथ ही जनजातीय कला, संस्कृति और सामाजिक योगदान के लिए कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया. सम्मान पाने वालों में पद्मश्री अर्जुन सिंह धुर्वे, फुलझारिया बाई, उजियारो बाई, विक्रम अवॉर्डी रागिनी मार्को और सृष्टि सिंह शामिल रहीं. राज्य शासन के सहयोग से विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों आशाराम पालवी और रवि मेड़ा को भी मंच से सम्मानित किया गया.

> इसके अलावा, कक्षा 12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जनजातीय समुदाय के दो मेधावी विद्यार्थियों को महाराजा शंकर शाह और रानी दुर्गावती मेधावी पुरस्कार प्रदान किए गए. मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समुदाय प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का आधार है और सरकार उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है. जनजातीय गौरव दिवस का यह राज्यस्तरीय समारोह प्रदेश भर से आए आदिवासी समुदाय के हजारों लोगों की उपस्थिति में उत्साहपूर्ण माहौल के साथ सम्पन्न हुआ.

कार्यक्रम में विशेष पिछड़ी जनजाति समूह के युवाओं को भी प्रोत्साहित किया गया. विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल हुए वर्ग के छह अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र सौंपे गए. राज्य सरकार का कहना है कि यह कदम जनजातीय युवाओं को प्रशासनिक सेवाओं और मुख्यधारा के रोजगार में आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है.

मंत्रालय के गलियारों से

कन्हैया लोधी

अफसरों के बीच शीतयुद्ध

मंत्रालय में बेहद ताकतवर अफसरों के बीच अघोषित शीतयुद्ध चल रहा है. इस शीतयुद्ध के सूत्रधार एक बड़े अफसर हैं, जिनकी तूती चारों तरफ बोल रहा है. कुछ माह पहले पॉवर गेम में एक दूसरे अफसर को मात देने के बाद उनका रूतबा और बढ़ गया है. बताया जा रहा है कि उन्होंने दो ऐसे अफसरों को टारगेट पर लिया है, जिसे वे व्यक्तिगत रूप से पसंद नहीं करते हैं. एक अफसर से उनकी अदावत की बात तो समझ आ रही है, लेकिन दूसरे अफसर से उनकी अदावत की वजह बाहर निकलकर नहीं आ रही है. ऐसे में माना जा रहा है कि जिन दो अफसरों को टारगेट पर लिया गया है, उनकी रक्षा अब सरकार ही कर सकते हैं.

चुनाव ड्यूटी के बाद अब वेकेशन की चाहत

हाल ही में बिहार विधानसभा के चुनाव हुए. इस चुनाव के लिये मप्र के भी कुछ आईएएस अफसरों की ड्यूटी लगाई गई थी. वे चुनाव आयोग की ओर से आब्जर्वर बनकर वहां गये थे. चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष कराने के साथ ही मतगणना कराने में भी उनकी बड़ी जिम्मेदारी रही है. अब मतगणना होने के बाद इन अफसरों की मप्र वापसी का सिलसिला अगले सप्ताह से शुरू होगा. बताया जा रहा है कि इन अफसरों ने अभी से साल के अंत में वेकेशन के लिये आवेदन लगा दिया है. ऐसे लगभग आधा दर्जन अफसर अब वेकेशन के मूड में हैं.

चुनाव जीताने का सुख

प्रदेश के एक कद्दावर नेता को बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान एक विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया था. नेताजी ने संगठन की आज्ञा को शिरोधार्य करते हुए क्षेत्र में मोर्चा संभाला. उनका राजनीतिक अनुभव और चुनाव मैनेजमेंट काम आया और भाजपा उम्मीदवार यहां से आसानी से चुनाव जीत गये. इस नतीजे से नेताजी को संतोष है, कि चलो जो जिम्मेदारी मिली, उस पर खरे उतरे. वैसे ये साहब पिछले चुनाव में अपनी सीट नहीं बचा पाये थे, भले ही वे चुनाव नहीं जीत पाये हों, लेकिन चुनाव जीताने का भी एक अलग ही सुख है, जिसका वे अब आनंद ले रहे हैं.

राज्यमंत्री के भाई का बर्थ डे सेलेब्रेशन चर्चा में

प्रदेश के एक राज्य मंत्री के भाई का बर्थ डे सेलेब्रेशन इन दिनों चर्चा में है. हांलाकि घटना प्रदेश से बाहर का है, लेकिन सोशल मीडिया के जमाने में क्या बाहर और क्या अंदर... इस खबर को यहां तक पहुंचने में देर नहीं लगी. बताया जा रहा है कि दंबगई से कार की बोनट पर केक काटा गया. वे रसूख का इजहार करते रहे. अब भाई के इस अंदाज का दूसरे भाई पर क्या असर होता है, ये तो आने वाले दिनों में ही पता चल सकेगा.

राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ आज ग्वालियर में

भोपाल. भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद 16 नवंबर को ग्वालियर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे. भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं एसआईआर के राष्ट्रीय प्रभारी तरूण चुघ, प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद 16 नवंबर को कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे.

शिवराज सिंह का वादा भूली सरकार, मोहन सरकार मौन

विशेष संवाददाता

भोपाल,15 नवम्बर. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि बुजुर्गों, दिव्यांगजन और विधवा महिलाओं की पेंशन रोकना मात्र 496 करोड़ बचाने के लिए किया गया क्रूर विश्वासघात है. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार लगातार भारी कर्ज ले रही है, लेकिन सबसे कमजोर और गरीब वर्ग को उनका वैधानिक हक देने से इंकार कर रही है.

पटवारी ने कहा कि भाजपा ने चुनावी वादों को तोड़ा, महीनों तक पेंशन भुगतान रोक दिया, लाखों लाभार्थियों को अयोग्य घोषित कर दिया और जनता के पैसे को सत्ता के शानो-शौकत पर खर्च किया जा रहा है. उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चुनावी वर्ष में वृद्धावस्था पेंशन 600 से बढ़ाकर 1000 करने की घोषणा की थी. लेकिन वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस घोषणा को लागू करने से इंकार कर दिया, जिससे स्पष्ट हो गया कि यह सिर्फ एक चुनावी वादा था.

पटवारी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने पेंशन 300 से बढ़ाकर 600 की थी. लेकिन इसके बाद भाजपा ने न केवल इसे बढ़ाने से इंकार किया, बल्कि महीनों तक भुगतान भी रोक दिया, जिससे 55.17 लाख बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगजन को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है.

आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार, 600 मासिक पेंशन पर कुल खर्च 331 करोड़ आता है. इसे 1000 करने पर केवल 200 करोड़ अतिरिक्त की आवश्यकता होगी. पटवारी ने आरोप लगाया कि खर्च बचाने के लिए ही सरकार पेंशन वृद्धि रोक रही है. उन्होंने कहा कि सरकार हर साल हजारों करोड़ का कर्ज तो ले रही है, लेकिन यह पैसा महंगी एसयूवीएस, मंत्री आवासों के नवीनीकरण, वीआईपी सुविधाओं, बड़े कार्यक्रमों और सरकारी प्रचार पर खर्च हो रहा है.

> **5 .5 लाख 'लापता' या 'अयोग्य' घोषित**
>
> पटवारी ने जनवरी 2025 में समग्र पोर्टल आधारित सत्यापन अभियान की कड़ी आलोचना की, जिसमें 5 .5 लाख पेंशनभोगियों को लापता या अयोग्य करार दिया गया. उन्होंने कहा कि अनेक बुजुर्ग दस्तावेज जुटाने में असमर्थ हैं और कई क्षेत्रों में सत्यापन टीमें पहुँची ही नहीं, फिर भी लोगों को बिना सुनवाई सूची से बाहर किया जा रहा है. उन्होंने मांग की कि ?1000 पेंशन तुरंत लागू की जाए, 5 .5 लाख लोगों को पुनः सूची में शामिल किया जाए और विभागीय सिफारिशों के अनुसार मासिक पेंशन ?1500 की जाए. पटवारी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया, तो कांग्रेस राज्यभर में बड़े पैमाने पर आंदोलन करेगी.

मीडिया से बातचीत | पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा बोले-मैंने पहले ही कहा था कि राहुल गांधी दो अंकों में भी नहीं आएंगे

बिहार में मुख्यमंत्री का फैसला संसदीय बोर्ड करेगा

ग्वालियर,15 नवम्बर . बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की बंपर जीत के बाद मध्यप्रदेश के पूर्व गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री कौन होगा, इसका निर्णय बीजेपी का संसदीय बोर्ड ही करेगा. ग्वालियर में मीडिया से बातचीत के दौरान मिश्रा ने कांग्रेस और महागठबंधन पर तीखा हमला बोला.

उन्होंने कहा कि महागठबंधन में शामिल दल विरासत की रियासत चलाना चाहते हैं. उनके अनुसार, सोनिया के बाद राहुल, फिर प्रियंका और उसके बाद आगे इनकी लंका. मुलायम के बाद अखिलेश, फिर डिंपल — यही परिवारवाद है. इन दलों को जनता की सेवा नहीं, परिवार की सत्ता चाहिए. मिश्रा ने दावा किया कि बिहार में जनता ने वोट चोरी के आरोप लगाने वालों को कड़ा जवाब दिया है. उन्होंने कहा, 2025 मोदी जी संग नीतीश, 2025 आरजेडी फिनिश — तस्वीर अब साफ है. भाजपा नेता ने कहा कि महागठबंधन के नेताओं की भविष्यवाणियाँ धराशायी हुईं. मैंने पहले ही कहा था कि राहुल गांधी दो अंकों में भी नहीं आएंगे, और कांग्रेस 10 सीटें भी नहीं ला पाई. चुनाव से पहले पचमढ़ी घूमने आना बताता है कि वे चुनाव को गंभीरता से लेते ही नहीं. जंगल सफारी करेंगे तो जीत कहाँ से आएगी ?

> उन्होंने कहा, कांग्रेस का कॉन्सेप्ट साफ है — राहुल पर सवाल न उठे, इसलिए ईवीएम पर उठाओ. फिर वोट चोरी का राग अलापो. मिश्रा के बयान ने एक बार फिर बिहार चुनाव परिणामों को लेकर राष्ट्रीय राजनीति में चर्चा तेज कर दी है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14